



फीफा विश्व कप 2026 : इंग्लैंड ने 10 खिलाड़ियों के साथ मेक्सिको को 3-2 से हराया, क्वार्टरफाइनल में पहुंचा , बेलिंगहैम ने किये दो गोल

मेक्सिको सिटी

जूड बेलिंगहैम के शानदार दो गोल और हैरी केन की पेनल्टी की बदौलत 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इंग्लैंड ने सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। एस्टादियो एस्टेका में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार युद्धरूपन दिखाया। अब इंग्लैंड का सामना क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे से होगा, जिसकी अगुआई स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड कर रहे हैं। पहले हाफ में जूड बेलिंगहैम ने महज 98 सेकेंड के

भीतर दो गोल दागकर इंग्लैंड को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। पहला गोल उन्होंने बुकायो साका के शानदार क्रॉस पर हेडर से किया, जबकि दूसरा गोल हैरी केन के पास पर जोरदार शाट लगाकर किया। इन दो गोलों ने मेक्सिको को एस्टेका स्टेडियम में 90 मुकाबलों में मिला सिर्फ तीसरी हार की ओर धकेल दिया। मेक्सिको ने जूलियन विवोनोस के गोल से वापसी की कोशिश की और पहला हाफ 2-1 पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के 54वें मिनट में इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा, जब जारेल क्वानसा को वीएआर समीक्षा के बाद जीसस गालाडी पर खतरनाक टैकल के लिए सीधा रेड कार्ड दिखा दिया गया। हालांकि, 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद

इंग्लैंड ने छह मिनट बाद अपनी बढ़त बढ़ा ली। एंथनी गार्डन को मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजल ने पेनल्टी बाक्स में गिरा दिया, जिसके बाद हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया। यह केन का टूर्नामेंट में छठा गोल था और वह गोलडन बूट की दौड़ में परलिंग हालैंड, लियोनेल मेसी और किलियन एम्बापे से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। **मेक्सिको ने अंत तक दृ टक्कर** - इसके बाद मेक्सिको को भी पेनल्टी मिली, जिसे राउल जिमेनेज़ ने गोल में बदलकर अंतर 3-2 कर दिया। अंतिम 20 मिनट और फिर 11 मिनट के अतिरिक्त समय में मेक्सिको ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंग्लैंड की रक्षा पॉक और

गोलकीपर जार्डन पिकफोर्ड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बचाए रखी। **तूफान के कारण एक घंटे देर से शुरू हुआ मैच** - मेक्सिको सिटी में तेज बारिश और आंधी के कारण मैच निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुआ। इसके बावजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों से खचाखच भरे एस्टेका स्टेडियम में जबरदस्त माहौल देखने को मिला। इंग्लैंड के मुख्य कोच थामस टुखेल ने इस मुकाबले में तीन बदलाव किए थे। टीम को शुरुआत में ऊंचाई (2,240 मीटर) और मेक्सिको के आक्रामक खेल से तालमेल बैठाने में चुनौती मिली, लेकिन खिलाड़ियों ने दबाव को बखूबी संभाला।

न्यूज़ ब्रीफ

विंबलडन: ओसाका ने आर्यना सबालेका को हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह



लंदन। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने रविवार को विंबलडन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए महिला एकल की विश्व नंबर एक और शीर्ष वरीय आर्यना सबालेका को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेंट कोर्ट पर खेले गए इस बहुचर्चित मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के नाम कुल आठ गैड स्लैम खिताब होने के कारण मुकाबले से काफी रोमांच की उम्मीद थी। हालांकि 14वीं वरीय ओसाका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और सबालेका को वापसी का मौका नहीं दिया। पहले सेट में सबालेका का दमदार खेल पूरी तरह बिखरा नजर आया। उनके लगातार गलत शाट्स के कारण वह महज 32 मिनट में पहला सेट 2-6 से हार गई। इस दौरान वह कई बार निराशा में कोर्ट पर चीखती हुई भी दिखाई दी। दूसरे सेट में मुकाबला अपेक्षाकृत कड़ा रहा और दर्शकों को रोमांचक टक्कर देखने को मिली। हालांकि टाईब्रेक में ओसाका ने शानदार संयम दिखाया और 7-2 से जीत दर्ज करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह जीत ओसाका के लिए विशेष महत्व रखती है।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए पांच क्रिकेटर्स में भारत के ईशांत भी शामिल



मुंबई। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले 5 खिलाड़ियों में एक भारतीय ईशांत शर्मा भी शामिल हैं। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनवाहा रिकार्ड वेस्टइंडीज के कर्टनी वाल्था के नाम है। इसके अलावा इस सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्राड, न्यूजीलैंड के क्रिस मार्टिन और आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा के नाम भी शामिल हैं। कर्टनी वाल्था : महान तेज गेंदबाज वाल्था ने अपनी घातक गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों में डर पैदा किया पर अपनी बल्लेबाजी में उनके नाम एक ऐसा अनवाहा रिकार्ड दर्ज है जिसे वह भूलना चाहेंगे। साल 1984 से 2001 तक चले अपने करियर में वाल्था रिकार्ड 43 बार शून्य पर आउट हुए। 132 टेस्ट मैचों की 185 पारियों में उन्होंने कुल 936 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 30 रन रहा और बल्लेबाजी औसत 7.54 का रहा। स्टुअर्ट ब्राड : इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड का रिकार्ड दूसरा नंबर है। अपने करियर में एक शतक 169 रन और 13 अर्धशतक सहित 3662 रन बनाते वाले ब्राड साल 2007 से 2023 तक चले लंबे करियर की 244 पारियों में 39 बार शून्य पर आउट हुए। क्रिस मार्टिन : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज क्रिस मार्टिन की बात करें तो, उन्हें अक्सर उनकी घातक गेंदों से ज्यादा उनकी बेहद कमजोर बल्लेबाजी के लिए याद किया जाता है।

आस्ट्रेलिया ने रिकार्ड सातवीं बार जीता महिला टी20 विश्व कप का खिताब, फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया



लंदन। आस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर रिकार्ड सातवीं बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लाईस क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए खिताबी मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने 151 रन का लक्ष्य 18वें ओवर में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह आस्ट्रेलिया का सातवां महिला टी20 विश्व कप खिताब है। अब तक कोई अन्य टीम एक से अधिक बार यह ट्राफी नहीं जीत सकी है। वहीं, इंग्लैंड को चौथी बार महिला टी20 विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और हर बार उसे आस्ट्रेलिया ने ही मात दी। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 32 रन तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों एमी जोन्स (6) और डैनी व्हाट (8) के विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान नेट सीवर-ब्रेट और एलिस कैप्सी ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया। कैप्सी 23 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि हीदर नाइट केवल दो रन ही बना सकीं। 70 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद कप्तान नेट सीवर-ब्रेट और फ्रेंचा कैम्प ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 80 रन की साझेदारी की।

विंबलडन : मुचोवा ने पूर्व चैंपियन क्रेजिकोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लंदन

चेक गणराज्य की स्टार टेनिस खिलाड़ी कैरोलीना मुचोवा ने विंबलडन 2026 के महिला एकल वर्ग के चौथे दौर में पूर्व चैंपियन और हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-5, 5-7, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस हार के साथ ही यह तय हो गया कि इस वर्ष विंबलडन महिला एकल को नया चैंपियन मिलेगा।

मुचोवा ने अपने करियर में तीसरी बार विंबलडन के अंतिम आठ में जगह बनाई है। दो घंटे 45 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में उन्होंने शानदार संयम और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। बैड होम्बर्ग ओपन का खिताब जीतने के बाद यह उनकी लगातार आठवीं जीत भी रही।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना विश्व नंबर एक आर्यना सबालेका और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कई ब्रेक ब्यांड बचाने के बाद मुचोवा ने 12वें गेम में ब्रेक हासिल किया और 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुचोवा ने 5-2 की बढ़त बना ली थी और जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन 2024 की विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीते और 7-5 से सेट जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। तीसरे और अंतिम सेट में मुचोवा ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। 1-1 की बराबरी के बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर 4-1 की बढ़त बना ली। इस दौरान क्रेजिकोवा शारीरिक रूप से संघर्ष करती नजर आईं। मुचोवा ने बिना दबाव में आए मैच समाप्त किया और अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच के आंकड़ों में भी मुचोवा का दबदबा साफ दिखता। उन्होंने 50 विनर्स लगाए और केवल 29 अनफोर्सड एरर किए, जबकि क्रेजिकोवा ने 24 विनर्स लगाए लेकिन 32 अनफोर्सड एरर कर बैठीं। नेट पर भी मुचोवा ने 31 में से 23 अंक (74 प्रतिशत सफलता) अपने नाम किए।

दोनों खिलाड़ियों के बीच डब्ल्यूटीए टूर पर यह पहली भिड़ंत थी। आईटीएफ मुकाबलों को मिलाकर अब दोनों का आपसी रिकार्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है।



तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरे भारतीय टीम: दीप दास गुप्ता

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता का कहना है कि भारतीय टीम को अपने गेंदबाजी संयोजन पर फिर से विचार करना चाहिये। दीप दास ने ये बात इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम की हार के बाद कही। उनका कहना है कि भारतीय गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि टीम प्रबंधन को सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए एक और तेज गेंदबाज को शामिल करना चाहिये। अभी भारतीय टीम दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतर रही है जबकि उसे तीन तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतरना चाहिये। दासगुप्ता ने कहा कि एक तेज गेंदबाज को शामिल करना इसलिए जरूरी है जिससे कि अग्र मुख्य तेज गेंदबाजों में से कोई एक असफल रहता है तो दूसरा कप्तान संभाल सकता है। अभी के हालात ऐसे हैं कि गेंदबाजी कमजोर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जब टीम दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर शिवम दुबे पर ही निर्भर रहती है तो उन पर दबाव बढ़ जाता है। दासगुप्ता ने कहा, भारतीय टीम के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण उनका गेंदबाजी संयोजन है। साथ ही कहा कि जब आप केवल दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतरते हैं तो अग्र उनमें से एक भी असफल होता है तो आपके विकल्प समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि तेज गेंदबाजी विभाग में वैसा विकल्प न होने से इंग्लैंड टीम के लिए बीच के ओवरों में मैच पर पकड़ बनाना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा, बीच के ओवरों में आपके पास वैसा ही विकल्प नहीं होता है और विरोधी टीम कमजोर कंडिशन को निशाना बना सकती है। मुझे लगता है कि टीम को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। दासगुप्ता के अनुसार भारतीय टीम को एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को शामिल करके अपने संयोजन को बदलना चाहिये। उन्होंने कहा, उन्हें दो तेज गेंदबाज और शिवम दुबे के बजाय तीन सीमर के साथ उतरने पर विचार करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने तीन स्पिनरों को शामिल करने की रणनीति पर भी सवाल उठाये और कहा कि इंग्लैंड में तेज उछाल भरी पिचें हैं जहां स्पिनरों से अधिक तेज गेंदबाज सफल रहते हैं।

रायडू ने की वैभव की तारीफ पर बोले, सैमसन का योगदान न भूलें



हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजु सैमसन को अतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये जाने को लेकर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। रायडू के अनुसार उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण खुशी की बात है पर इसके उस्ताह में हमें संजु सैमसन के भारतीय क्रिकेटर में शानदार योगदान को नहीं भूलना चाहिये। साथ ही उम्मीद जतायी की वह फिर वापसी करेंगे। रायडू ने सोशल मीडिया में लिखा, सैमसन के बारे में भी थोड़ा सोचें। वैभव का डेब्यू देखकर बेहद खुशी हुई और यह निश्चित रूप से एक जश्न मनाने लायक पल है पर यह मत भूलिए कि कुछ समय पहले ही सैमसन ने टी20 विश्व कप में ज्योर आफ द टूर्नामेंट का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने कहा कि सैमसन बाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के सबसे बड़े नायकों में से एक रहे थे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में न केवल लगातार रन बनाए, बल्कि अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई महत्वपूर्ण मैचों में टीम को जीत दिलाई ऐसे में केवल एक दो खराब पारी के कारण उन्हें टीम से बाहर किया जाना सही नहीं है।

फीफा विश्व कप: ब्राजील पर ऐतिहासिक जीत के बाद कोच सोलबक्केन ने कहा-हमारी सबसे बड़ी ताकत टीम भावना

ईस्ट रदरफोर्ड

फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची नॉर्वे की टीम के मुख्य कोच स्टावे सोलबक्केन ने खिलाड़ियों की एकजुटता, अनुशासन और टीम भावना की खुलकर प्रशंसा की है।

नॉर्वे ने स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड के दो गोलों की बदौलत पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को बाहर का रास्ता दिखाया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में नेमार के पेनल्टी गोल के बावजूद नॉर्वे ने अपनी बढ़त कायम रखी और विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की।

मैच के बाद सोलबक्केन ने पत्रकारों से कहा, यह खिलाड़ियों का शानदार समूह है। उन्हें एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है, वे बेहतरीन अभ्यास करते हैं, एक-दूसरे की मदद करते हैं और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहते हैं। हमारी टीम की संस्कृति बेहद मजबूत है। हम खिलाड़ियों को अपनी बात खुलकर रखने और खुद जैसा बनने की आजादी देते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, चाहे परिस्थितियां अच्छी हों या कठिन।

विश्व कप के दौरान नॉर्वे की टीम का रोंग सेलिब्रेशन (नाव चलाने की शैली में जश्न)



काफी लोकप्रिय हुआ है। ब्राजील पर जीत के बाद खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने एक बार फिर उसी अंदाज में जीत का जश्न मनाया। सोलबक्केन ने कहा, मुझे लगता है कि आज पूरा नॉर्वे एक साथ नाव चला रहा है। यहां भी जश्न है और ओस्लो सहित देश के हर छोटे-बड़े शहर में लोग इस जीत का उत्सव मना रहे हैं। यह रोंग सेलिब्रेशन हमारी एकजुटता का प्रतीक बन गया है। यह नॉर्वे के फुटबाल प्रशंसकों के लिए यादगार गर्मी है। सच कहूँ तो इस समय कोच से

ज्यादा खुश तो प्रशंसक होंगे। ब्राजील जैसी मजबूत टीम के खिलाफ नॉर्वे ने उम्मीद से अधिक समय तक गेंद अपने पास रखी। सोलबक्केन ने बताया कि यह उनकी पहले से तय रणनीति थी।

उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि गेंद ज्यादा से ज्यादा समय हमारे पास रहे। हमें पता था कि ब्राजील के कुछ खिलाड़ी अपनी पोजिशन में तो शानदार हैं, लेकिन लगातार गेंद के पीछे भागना उन्हें पसंद नहीं है। इसलिए हमने उन्हें इसी तरीके से दबाव में रखने की कोशिश की।

क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे का सामना मेक्सिको या इंग्लैंड से होगा, लेकिन सोलबक्केन ने कहा कि उन्हें किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी से फर्क नहीं पड़ता।

उन्होंने कहा, मुझे कोई पसंद नहीं है कि अगला मुकाबला किससे हो। चाहे मेक्सिको हो या इंग्लैंड, हमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। मैंने मैच से पहले ही कहा था कि ब्राजील जैसी टीम को हराने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ेगा और आज हमारी टीम उसी स्तर पर खेलेगी। ब्राजील पर ऐतिहासिक जीत के साथ नॉर्वे पहली बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और अब उसकी नजर सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होगी।

भारत-फ्रांस खेल उद्योग साझेदारी मजबूत करने की पहल,पेरिस पहुंचा फिक्की प्रतिनिधिमंडल

पेरिस

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की खेल समिति का 20 से अधिक सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल हाल ही में फ्रांस के पेरिस और मार्सेय के दौरे पर पहुंचा। इस दौरे का उद्देश्य खेल कारोबार, खेल प्रशासन, खेल अवसरचना और ओलंपिक विरासत से जुड़े सफल मॉडलों का अध्ययन कर भारत में खेलों के विकास के लिए उपयोगी अनुभव जुटाना था। इस प्रतिनिधिमंडल का आयोजन बिजनेस फ्रांस के सहयोग से किया गया।

फिक्की की सोमवार को जारी विज्ञापन के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने मार्सेय के ऐतिहासिक वेलेड्रोम फुटबाल स्टेडियम का दौरा किया, जहां खेल अवसरचना के बेहतर उपयोग और उसके दीर्घकालिक संचालन को जानकारी दी गई। वर्ष 1937 में स्थापित इस स्टेडियम का उपयोग फुटबाल मुकाबलों के साथ-साथ खेल सभासत होने के बाद संगीत कार्यक्रमों और सांस्कृतिक



आयोजनों के लिए भी किया जाता है। प्रतिनिधिमंडल ने दर्शकों को पूरे दिन बेहतर अनुभव देने और डिजिटल मार्केटिंग से जोड़ने की व्यवस्थाओं का भी अध्ययन किया।

मांसय स्थित भारत के महावाणिज्य दूत ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्हें वर्ष 2030 के शीतकालीन ओलंपिक खेलों की तैयारियों से जुड़े स्थानीय उद्योगों और संस्थाओं से परिचित कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने पेरिस ओलंपिक 2024 की नौकायन प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल तथा मांसय के प्रसिद्ध तैराकी केंद्र का भी दौरा किया। यहां विशेषज्ञों से यह समझने का अवसर मिला कि ओलंपिक के लिए तैयार की गई खेल सुविधाओं का प्रतियोगिताओं के बाद भी व्यावसायिक और जनहित में प्रभावी उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। पेरिस में प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। बिजनेस फ्रांस की प्रमुख अधिकारी

सिंथिया रेगुल्स्की ने कहा कि फ्रांस के लिए यह सम्मेलन की बात है कि वह पेरिस ओलंपिक 2024 से प्राण अनुभव और विरासत को अन्य देशों के साथ साझा कर रहा है। सम्मेलन में भारत के लिए उपलब्ध अवसरों पर आयोजित विशेष सत्र की अध्यक्षता फिक्की खेल समिति के सह-अध्यक्ष एवं अदाणी स्पोर्ट्स लाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने की। उन्होंने कहा कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करना चाहता है। ऐसे में फ्रांस के अनुभव भारत के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। स्पोर्ट्स इंटरएक्टिव के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ रमन ने कहा कि पेरिस ओलंपिक ने यह दिखाया कि किसी शहर की संस्कृति, विरासत और खेलों को एक साथ जोड़कर विश्वस्तरीय आयोजन कैसे किया जा सकता है।